6. महादेवी वर्मा के दु:खवाद पर प्रकाश डालिए।

7. प्रसाद सौन्दर्य बोध के कवि हैं ? पठित काव्यांश के आधार पर सिद्ध कीजिए।

8. दुष्यंत कुमार के गजल संग्रह 'साये में धूप' के मूल भाव का निरूपण कीजिए।

9. पठित काव्यांश के आधार पर अज्ञेय की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. मैथिलीशरण गुप्त के वाक्य में अनुभूति और अभिव्यक्ति पक्ष की विवेचना कीजिए।

11. दिनकर पौरुष, ओज, क्रान्ति और राष्ट्रीय भावनाओं के कवि हैं। कथन के आलोक में दिनकर की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

12. छायावाद को परिभाषित करते हुए इसकी प्रमुख विशेषताओं को सोदाहरण समझाइए।

13. समकालीन कविता की प्रमुख विशेषताओं को उदाहरण सहित निरूपित कीजिए।

MAHD–02

June – Examination 2024

M.A. (Previous) Examination

HINDI

(Adhunik Kavya)

आधुनिक काव्य

Paper : MAHD-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (i) 'रामदास' कविता के रचयिता का नाम लिखिए।

   (ii) महादेवी वर्मा को किस संग्रह पर ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था ?

(iii) प्रयोगवाद के **दो** कवियों के नाम लिखिए।

(iv) 'स्नेह निर्झर बह गया' कविता का मूल लिखिए।

(v) 'उर्वशी' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(vi) 'प्रगतिवाद' की शुरुआत कब से मानी जाती है ?

(vii) सुमित्रानंदन पंत का जन्म कहाँ हुआ था ?

(viii) 'मनु' और 'श्रद्धा' किस महाकाव्य के पात्र हैं ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"है भारत भद्र अब कहो अभीप्सित अपना
सब सजग हो, भंग हुआ ज्यों सपना
है आर्य क्या रहा भरत अभीप्सित अब भी
मिल गया अकंटक राज्य उसे जब, तब भी ?
पाया तुमने तरू तले अरण्य बसेरा
रह गया अभीप्सित शेष तदापि क्या मेरा ?"

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"हाय ! मृत्यु का ऐसा अमर अपार्थिव पूजन ?
जब विषण्ण, निर्जीव पड़ा हो जग का जीवन।
स्फटिक-सौंध में हो शृंगार मरण को शोभन
नग्न, क्षुधातुर, वस विहीन रहे जीवित जन ?
मानव ! ऐसी भी विरक्ति क्या जीवन के प्रति ?
आत्मा का अपमान, प्रेत और छाया से रति।
प्रेम अर्चना यही, करे हम रण का वरण ?
स्थापित कर कंकाल, भरे जीवन का प्रांगण ?"

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"दिवसावमान का समय
मेघमय आसमान से उतर रही है
वह सन्ध्या-सुन्दरीपरी-सी
तिमिरांचल में चंचल का नहीं कहीं आभास
मधुर-मधुर है दोनों उसके अधर
किन्तु गम्भीर नहीं है उनमें हास-विलास।"

5. हालावाद को परिभाषित करते हुए हरिवंशराय बच्चन की कविताओं की विशेषताएँ निरूपित कीजिए।